

कमला व अन्य बनाम कन्हैयालाल व अन्य

प्रकरण संख्या:— 191/2022 (प्रा0पत्र)

निर्णय दिनांक:—22/12/2025

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी देवगढ़ जिला राजसमन्द (राज0)

(पीठासीन अधिकारी: श्री मोहकम सिंह सिनसिनवार, आर0ए0एस0)

प्रकरण संख्या:—191/2022 प्रार्थनापत्र

दायर दिनांक:— 28/07/2022

निर्णय दिनांक:— 22/12/2025

अनवान

1. कमला पुत्री नेनाराम जाति सालवी निवासी कलालों की आंती तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
2. टीकमचन्द पुत्र नेनाराम जाति सालवी निवासी कलालों की आंती तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
3. डाउराम पुत्र नंग जाति सालवी निवासी कलालों की आंती तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
4. भैरूलाल पुत्र पेमा जाति सालवी निवासी कलालों की आंती तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
5. मोहन पुत्र पेमा जाति सालवी निवासी कलालों की आंती तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
6. गोपीलाल पुत्र जाति सालवी निवासी कलालों की आंती तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
7. बाबुलाल पुत्र प्रताप जाति सालवी निवासी कलालों की आंती तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
8. पोखरलाल पुत्र नेनाराम जाति सालवी निवासी कलालों की आंती तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
9. पोखरलाल पुत्र माधुलाल जाति सालवी निवासी कलालों की आंती तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
10. मदनलाल पुत्र नेनाराम जाति सालवी निवासी कलालों की आंती तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
11. मीठालाल पुत्र नेनाराम जाति सालवी निवासी कलालों की आंती तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
12. हीरीबाई पत्नी नेनाराम जाति सालवी निवासी कलालों की आंती तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द



—प्रार्थीगण

उपखण्ड अधिकारी, देवगढ़
जि. राजसमन्द (राज.)

कमला व अन्य बनाम कन्हैयालाल व अन्य

प्रकरण संख्या:- 191/2022 (प्रा0पत्र)

निर्णय दिनांक:-22/12/2025

बनाम

1. कन्हैयालाल पुत्र नारु जाति सालवी निवासी कलालों की आंती तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
2. कस्तुरी पत्नी नारु जाति सालवी निवासी कलालों की आंती तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
3. शिवलाल पुत्र नारु जाति सालवी निवासी कलालों की आंती तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
4. राज्य सरकार जरिये प्रतिनिधि तहसीलदार, देवगढ़ तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द

अप्रार्थीगण

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 ए राजस्थान टिनेन्सी एक्ट

:: निर्णय ::

प्रार्थी ने जरिये अधिवक्ता प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 ए राजस्थान टिनेन्सी एक्ट का प्रस्तुत किया जिसके सुसंगत तथ्य संक्षेप में इस प्रकार है कि प्रार्थीगण की सहखातेदारी खाता संख्या 154 खसरा संख्या 1085 रकबा 0.2200 हैक्टेयर भूमि ग्राम कलालों की आंती पटवार हल्का लसानी तहसील देवगढ़ में स्थित है। प्रार्थीगण की भूमि के पास अप्रार्थी संख्या 01 से 03 के आराजी संख्या 1086 एवं अप्रार्थी संख्या 04 के खसरा संख्या 1081 स्थित है जिससे होकर प्रार्थीगण अपनी कृषि भूमि आराजीयात में प्रवेश कर सकते हैं व पगडण्डी रूपी रास्ते से अपनी कृषि भूमि में प्रार्थीगण आ जा रहे हैं तथा इसी आराजी से प्रार्थीगण कृषि उपकरण, हल, बैलगाड़ी, ट्रेक्टर कल्टी ईत्यादि का आवागमन अप्रार्थीगण की भूमि में होकर किया जा सकता है। अतः निवेदन है कि प्रार्थीगण को ग्राम कलालों की आंती पटवार हल्का लसानी तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द के खसरा संख्या 1085 मुख्य रास्ते से होते हुये आराजी संख्या 1086 व 1081 के मध्य भूमि में से प्रार्थीगण की आराजीयात में जाने हेतु रास्ता मुख्य रास्ते से अपने खेतों में जाने के लिये रास्ता 12 फिट चौड़ा एवं लम्बाई में प्रारम्भिक कोने से अंतिम कोने तक रास्ता अन्तर्गत धारा 251 ए राजस्थान काश्तकारी अधिनियम का दिलाए जाने का आदेश प्रदान करावें उक्त रास्ता राजस्व रिकॉर्ड व नक्शे में अमल दरामद कर दर्ज कराये जाने का आदेश प्रदान करावें।

इस पर पत्रावली दर्ज रजिस्टर की गई अप्रार्थी को जरिये समन्न तलब किया गया। अप्रार्थी संख्या 01, 02, 03, बावजूद सूचना तामिल के अनुपस्थित रहने से प्रकरण में इनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही के आदेश दिये गये।

प्रकरण में तहसीलदार, देवगढ़ से मौका रिपोर्ट ली गई जिसके अनुसार प्रार्थीगणों द्वारा चाहा गया रास्ता आवश्यक है। प्रार्थी के खेत पर जाने के लिये अन्य कोई वैकल्पिक रास्ता मौजूद नहीं है। प्रार्थीगण को ग्राम कलालों की आंती के खसरा संख्या 1076, 1082,



2022
उपपरिषद अधिकारी, देवगढ़
जि. राजसमन्द (राज.)

कमला व अन्य बनाम कन्हैयालाल व अन्य

प्रकरण संख्या:- 191/2022 (प्रा०पत्र)

निर्णय दिनांक:-22/12/2025

1086 में से रकबा 0.0850 हैक्टेयर लम्बाई कमशः 722 फीट व चौड़ाई 12 फीट रास्ता दिया जाना प्रस्तावित है। राजस्व लेखाकार की रिपोर्ट अनुसार प्रस्तावित भूमि की 02 गुणा 68098/- रुपये बनता जो राशि राजकोष में जमा योग्य है।

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-ए में प्रतिपादित है कि:-

[251A. Laying of underground pipeline or opening a new way through another khatedar's holding or enlarging the existing way. - (1) Where - (a) a tenant intends to lay an underground pipeline through the holding of another khatedar for the purpose of irrigation of his holding; or (b) a tenant or a group of tenants intend to have a new way, or enlargement or widening of an existing way, through the holding of another khatedar to have access to his holding or, as the case may be, their holdings of and the matter is not settled by mutual agreement, the tenant or the tenants, as the case may be, may apply for such facility to the Sub-Divisional Officer concerned, and the Sub-Divisional Officer, if he is satisfied after a summary inquiry, that (i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding; and (ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access proved may, be order, allow the applicant, to lay pipeline, at least three feet beneath the surface of the land, along 'the line demarcated or pointed out by the tenant who holds that land, or to have a new way. not wider than thirty feet, through the land on such track as pointed out by the tenant who holds that land, and if no such track is pointed out, through the shortest or nearest route, or to enlarge or widen the existing way, not exceeding up to thirty feet, on payment of such compensation as may be determined by the Sub-Divisional Officer, in the prescribed manner, to the tenant who holds the land through which the right to lay pipeline or have a new way or enlarge or widen an existing way is granted. (2) Where a right to have a new way or enlarge or widen an existing way is granted under sub-section (1), the tenancy in respect of the land comprising such way shall be deemed to have been extinguished and the land shall be recorded as rasta in the revenue records. (3) The persons permitted to avail any of the facilities referred to in sub-section (1) shall not, by virtue of the said facility, acquire any other right in the holding through which such facility is granted.]

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-ए की उपधारा (1) के प्रावधानों को क्रियान्विति के लिए राजस्थान काश्तकारी (सरकारी) नियम, 1955 में संशोधन अधिसूचना दिनांक 02.03.2012 से अध्याय 12 जोड़कर नियम 68-70 के प्रावधान उपबन्धित किये गये हैं।

राजस्थान काश्तकारी (सरकारी) नियम 1955 के नियम 68 में खातेदारी भूमि में से होकर नवीन रास्ते विद्यमान रास्ते को चौड़ा करने एवं सिचाई हेतु पाइप लाईन के लिए नियम 68 के अन्तर्गत उपखण्ड अधिकारी के समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत करने का प्रावधान किया गया है एवं नियम 68 के प्रावधान अन्तर्गत प्रस्तुत आवेदन पत्र को उपखण्ड अधिकारी द्वारा जॉच



क. 12
उपखण्ड अधिकारी, देवागढ़
जि. राजसमन्ध (राज.)

कमला व अन्य बनाम कन्हैयालाल व अन्य

प्रकरण संख्या:- 191/2022 (प्रा0पत्र)

निर्णय दिनांक:-22/12/2025

कर उसे आवेदन प्रस्तुत करने की दिनांक से 90 दिन में निस्तारण करने का प्रावधान किया गया है।

उपरोक्त प्रावधानों का अवलोकन करने से यह स्पष्ट है कि धारा 251-ए के अन्तर्गत खातेदारों को अन्य खातेदारों की जोत में से होकर भूमिगत पाईप लाईन के माध्यम से जल लेने या अन्य खातेदारों की जोत में से होकर नया मार्ग बनाने या विद्यमान मार्ग को विस्तारित करने या चौड़ा करने के लिए उपबन्धित किया गया है। प्रश्नगत प्रकरण में आराजी संख्या 1086, 1081 में से 12 फुट चौड़ा रास्ता प्रार्थी द्वारा चाहा गया है प्रकरण में तहसीलदार, देवगढ़ द्वारा आराजी संख्या 1076, 1082, 1086 से रास्ता प्रस्तावित किया गया है। जो जमाबन्दी संवत् 2076 के अनुसार आराजी संख्या 1082, 1086 खातेदारी तथा आराजी संख्या 1076 बिलानाम सरकार में दर्ज है।

उपरोक्त विवेचन से राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 251 ए के तहत खातेदारी भूमि में से रास्ता दिए जाने के प्रावधान है। हस्तगत प्रकरण में जो रास्ता चाहा गया है उसमें से आराजी संख्या 1076 राजकीय भूमि में है तथा आराजी संख्या 1082, 1086 खातेदारी में दर्ज है। प्रकरण में आराजी संख्या 1082 के खातेदारों को प्रकरण में अप्रार्थी पक्षकार के रूप में अंकित नहीं किया गया है। जिससे आराजी संख्या 1082 में से रास्ता दिया जाना उचित प्रतीत नहीं होता है। एवं राजकीय भूमि खसरा संख्या 1076 में से उक्त धारा 251 ए के प्रावधान लागू नहीं होने से प्रार्थना पत्र आंशिक स्वीकार किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है।

—:आदेश:-

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 ए राजस्थान काश्तकारी अधिनियम प्रार्थी का आंशिक स्वीकार किया जाता है तथा प्रार्थीगण की आराजी खसरा नम्बर 1085 कुल किता 01 कुल रकबा 0.2200 हैक्टेयर वाके ग्राम कलालों की आंती पटवार हल्का लसानी में पहुंच हेतु आराजी संख्या 1086 में से कुल (340X12फीट) 0.0379 हैक्टेयर भूमि रास्ता प्रार्थी की वाके ग्राम कलालों की आंती में आने-जाने के लिए राजस्थान स्टाम्प नियम 2004 के नियम 2 के उप-नियम (1)के खण्ड (ख) के तहत गठित जिला स्तरीय समिति द्वारा निर्धारित की गई कृषि भूमि दरों का दुगना प्रतिकर (32101/- रूपये) लिया जाकर प्रार्थी को रास्ता दिया जाता है। यह रास्ता सार्वजनिक रहेगा। तहसीलदार देवगढ़ उपरोक्त आराजी में रास्ते की भूमि (क्षेत्रफल) की गणना कर उपरोक्तानुसार प्रतिकर राशि प्रार्थी से अप्रार्थी को दिलवाई जाकर रास्ते की भूमि का राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद करें। प्रस्तावित नक्शा निर्णय का अभिन्न भाग (जुज) रहेगा। निर्णय की प्रति तहसीलदार देवगढ़ को भिजवाई जावे।

निर्णय आज दिनांक 22/12/2025 को मेरे द्वारा लिखा जाकर सरे इजलास सुनाया जाकर हस्ताक्षर एवं मोहर युक्त जारी किया गया।



(मोहकम सिंह सिनसिनवार R.A.S.)

उपखण्ड अधिकारी देवगढ़
जिला-राजसमन्व (राज.)